हिन्दी साप्ताहिक

RNI. No. MPHIN/2021/85636

# भुआणा की माटी

संपादकः- लोमेश कुमार गौर

साप्ताहिक
भुआणा की माटी
में रचनायें लेख
कवितायें एवं
विज्ञापन
प्रकाशनार्थ
आमंत्रित है।

वर्ष-04 अंक-31 हरदा, बुधवार 30 अक्टूबर -2024 पृष्ठ-08 मूल्य 05 रूपये

## औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में चलाया जा रहा है अभियानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है। नीमच, एशिया में औषधीय फसलों की सबसे बडी मण्डी है। यहाँ की औषधीय फसलों को योग गुरू बाबा रामदेव के पतंजलि योग पीठ से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को नीमच में वीरेन्द्र कुमार सखलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के लोकार्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं महिला, बाल विकास तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक जावद ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक नीमच दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक अनिरूद्ध मारू,जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिह चौहान, पवन पाटीदार, न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा एवं जनपदों

एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष, जन-प्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धनवंतरी जयंती धनतेरस पर नीमच सहित तीन नये मेडिकल कॉलेज की सौगात दी जा रही है। सनातन संस्कृति में चिकित्सक को भगवान के रूप में देखा जाता है। चिकित्सा के छात्र मानवता की सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि नीमच में महामाया माँ भादवामाता का आर्शीवाद रहा है। यहां भादवामाता के पानी से ही रोग ठीक हो जाते है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरेन्द्र कुमार सखलेचा ने प्रशासनिक कुशलता की मिसाल कायम की है। प्रशासनिक कुशलता के साथ उनके द्वारा किये गये कामआदर्श है। नीमच में असंभव को संभव कर दिखाने का जज्बा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने झालावाड-रामपुरा-नीमच सडक को फोरलेन करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि अगले 4 से 6 माह में एशिया से चीते गांधी सागर अभयारण्य में लाकर छोडे जाएंगे। इससे गांधीसागर में पर्यटन के नये द्वार खुलेंगे।

## सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढेर

एजेंसी|श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में अखनूर के सुंदरबनी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास करीब 24 घंटे से अधिक समय तक आतंकवादियों के खिलाफ चले अभियान में सुरक्षा बलों ने सभी तीन कट्टर आतंकवादियों को मार गिराया। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने अखनूर ऑपरेशन में तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। इस ऑपरेशन में सेना ने आतंकवादियों के खिलाफ राउंड-द-क्लॉक सर्विलांस के बाद मंगलवार सुबह तेज गोलीबारी करते हुए तीन आतंकवादियों को मार गिराया।

व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राउंड-द-क्लॉक सर्विलांस के बाद आज सुबह भीषण गोलीबारी हुई, जिसके कारण हमारे बलों को महत्वपूर्ण जीत मिली और इस मुठभेड़ में तीनों आतंकवादी मारे गये।' आतंकवादियों के एक समूह ने सोमवार सुबह खौर के भट्टल इलाके में एलओसी के पास जोगवान गांव में असन मंदिर के पास एक एम्बुलेंस को निशाना बनाकर सेना के काफिले पर गोलीबारी की, जिसके बाद विशेष बलों, पुलिस और सेना ने अभियान 'असन' शुरू किया। सैनिकों ने जब जवाबी कार्रवाई की, तो हमलावर पास के जंगल की ओर भाग गए और बाद में एक बेसमेंट के अंदर छिपे हुए थे। मुठभेड़ के बीच सोमवार को ही एक आतंकवादी को मार गिराया गया और घटनास्थल से उसका शव, एक एके असॉल्ट राइफल और कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किए।

रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि सेना के विशेषज्ञ कुत्ते 'फैंटम' ने भी इस अभियान में सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा, ÷हम अपने सच्चे नायक एक बहादुर सेना के कुत्ते, फैंटम के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। जब हमारे सैनिक फंसे हुए आतंकवादियों के करीब पहुँच रहे थे, तो फैंटम ने दुश्मन की गोलीबारी का सामना किया, जिससे उसे घातक चोटें आईं। उसके साहस, निष्ठा और समर्पण को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।' जम्मू-कश्मीर में पिछले दो सप्ताह में सात हमले हुए हैं। इसमें दो सैनिक शहीद होने के साथ ही 13 लोगों की मौत हो गयी। हमलों के बाद जम्मू, कठुआ, सांबा, पुंछ और राजौरी सहित जम्मू के सीमावर्ती जिलों के लिए पहले से ही हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था।

## केंद्र सरकार के फैसले से कैंसर की दवाएं होंगी सस्ती

**नई दिल्ली।** सीमा शुल्क से छूट और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती के बाद तीन कैंसर रोधी दवाओं (ट्रैस्टुजुमाब, ओसिमर्टिनिब और डुरवालुमाब) की अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) तय होगी। राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने दवा निर्माताओं को इन तीन कैंसर रोधी दवाओं पर एमआरपी कम करने का निर्देश दिया है।

**सीमा शुल्क में छूट और जीएसटी दरों में कटौती :** रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि सीमा शुल्क में छूट और जीएसटी दरों में कटौती के बाद

एनपीपीए ने दवा निर्माताओं को तीन कैंसर रोधी दवाओं की एमआरपी घटाने का निर्देश दिया है। मंत्रालय के मुताबिक एनपीपीए ने 28 अक्टूबर को जारी कार्यालय ज्ञापन में संबंधित निर्माताओं को तीन कैंसर रोधी दवाओं पर एमआरपी कम करने का निर्देश दिया है। यह वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट में की गई घोषणा के मुताबिक है, जिसमें इन तीन कैंसररोधी दवाओं को सीमा शुल्क से छूट दी गई है।

# मिलावट का धंधा, कभी नहीं मंदा

जैसे-जैसे त्योहारों की वेला निकट आती है, खाद्य विभाग का अमला मिलावट रोकने के लिए एक्शन मोड में आ जाता है। साल भर यह वातानुकूलित कमरों में बैठकर मौन व्रत धारण कर लेता है, जिससे मिलावटखोर बेखौफ होकर मिलावटी और नकली वस्तुओं का धंधा करते हैं। जब खाद्य विभाग छापेमारी करता है, तो उनकी दुकानदारी बंद नहीं होती बल्कि चांदी के जूते छापा मारने वालों का मुंह साल भर के लिए बंद कर देते हैं। पिछले दिनों नकली मावे की शिकायत पर शहर की नामी मिठाई की दुकान 'ठग्गू स्वीट्स' पर छापे की कार्रवाई की गई, मिठाई के नमूने लिए गए। सभी अखबारों में प्रमुखता से खबर भी प्रकाशित की गई, जिससे लोगों में यह आस बंधी कि मिलावटखोरी पर नकेल लगेगी, मगर दो दिनों के बाद भी मिठाई की क्वालिटी और साफ़ सफ़ाई में तो कोई बदलाव नहीं आया वरन? दुकान के मालिक ठग्गूमल का चेहरा पहले से ज्यादा चमकदार हो गया। फिलहाल 'लेन देन' ही संसार का नियम है और ठग्गूमल इसी नियम में पारंगत हैं। उधर, कभी परचून की छोटी सी दुकान से शुरुआत करने वाले झमक सेठ शहर का रसूखदार नाम है। उनके खिलाफ धनिया पाउडर में भूसा, लाल मिर्ची में ईंट का बुरादा, हल्दी में रासायनिक रंग और जीरे में बारीक कंकर मिलाने की शिकायत की गई। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उनकी दुकान से खाद्य सामग्री के लिए गए सारे नमूने पास हो गए। इस पाक-साफ रिपोर्ट के बाद वे अब बहुत बड़े शापिंग माल का संचालन कर रहे हैं। जब सैंया भए कोतवाल तो डर काहे का। दूध देने वाले जानवरों की संख्या में लगातार कमी हो रही है, लेकिन जादुई तरीके से दूध की श्वेत सरिता बह रही है। बड़े शहरों में तो दूध के नाम पर पता नहीं क्या बेचा जा रहा है? पहले तो दूध में केवल पानी की ही मिलावट की जाती थी, लेकिन अब तो यूरिया और जहरीले रसायन से नई पीढ़ी को गर्त में धकेलने की पुरजोर कोशिश जारी है। बल्कि मिलावटखोरों ने भगवान को इसकी ज़द में ले लिया है। मिलावटी दूध से अभिषेक, सस्ते नकली घी से पूजा अनुष्ठान और नकली अगरबत्ती से भगवान को प्रसन्न करने के के जतन किए जा रहे हैं। मिलावट का धंधा इतना जोरों पर है।

# दलबदल की राजनीति को खारिज करने का वक्त

महाराष्ट्र में चुनाव-प्रचार अब ज़ोरों पर है। अपनी-अपनी जीत का दावा तो सब कर रहे हैं, पर मतदाता जिताएगा किसे, यह अभी भविष्य के गर्भ में ही है। चुनाव परिणाम को लेकर दावे और प्रतिदावे तो अब भी हो रहे हैं, पर 'चुनावों के पंडित' कहलाने वाले चुनाव परिणाम के बारे में इस बार कुछ ठोस कहने में स्वयं को असमर्थ पा रहे हैं। कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस, ये चार दल मुख्यत: हुआ करते थे पहले मैदान में, इस बार इन दलों की संख्या छह हैङ्क शिवसेना और राष्ट्रवादी दोनों इस बार बंटे हुए हैं। अब मैदान में दो शिवसेना हैं और दो राष्ट्रवादी। यह स्थिति बड़ा कारण है चुनाव परिणाम को लेकर फैल रहे असमंजस का। सवाल सिर्फ पार्टियों के बंटने का नहीं है, व्यक्तियों का बंटना ज़्यादा घाल-मेल करने वाला है। यूं तो हर दल यह दावा करता है कि उसके पास अपनी नीतियां हैं, अपनी विचारधारा है, 'जनता की सेवा' करने का अपना तरीका है, पर देश में चुनाव-दर-चुनाव यह बात लगातार स्पष्ट होती रही है कि हमारे राजनीतिक दलों का उद्देश्य सत्ता के लिए राजनीति करना ही रह गया है। नीतियों और सिद्धांतों की बात तो सब करते हैं पर निगाह सबकी 'कुर्सी' पर ही टिकी रहती है। सत्ता पाने के लिए हमारे राजनेता कुछ भी करने-कहने के लिए तैयार दिखते हैं। वैसे सिद्धांतों की राजनीति का नकार कोई नयी बात नहीं है। दशकों पहले हरियाणा में 'आया राम, गया राम' की राजनीति शुरू हुई थी। एक तरह की राजनीतिक अराजकता-सी फैलती गयी उसके बाद। ऐसा नहीं है कि इस दल बदलू राजनीति के खतरों से देश अनभिज्ञ था। कोशिशें भी हुईं इस स्थिति से उबरने की। राजनीति में नैतिकता के स्थान को लेकर विमर्श भी होते रहे, कानून भी बने, पर सत्ता की दौड़ में राजनीतिक शुचिता के लिए स्थान लगातार कम होता गया। युद्ध और प्यार में सब कुछ जायज़ है की तर्ज पर राजनीति में भी सब कुछ जायज़ मान लिया गया है। इसी का परिणाम है कि आज की राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान नहीं बचा। चुनावों के दौरान, और चुनावों के लिए मची आपाधापी में हम इस पतन के उदाहरण लगातार देख रहे हैं। यह अपने आप में कम पीड़ा की बात नहीं है, पर मतदाता की असहायता देख कर पीड़ा और बढ़ जाती है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि देश के मतदाता ने समय-समय पर अपनी जागरूकता और ताकत का परिचय और परिणाम भी दिया है। आपातकाल घोषित करने वाली सरकार को देश के मतदाता ने जिस तरह से नकारा था, वह उसकी ताकत का प्रमाण है, उसकी जागरूकता का स्पष्ट उदाहरण है। राज्यों के चुनाव में भी ऐसे उदाहरण मिल जाते हैं। लेकिन, भ्रष्ट, दलबदलू सिद्धांतहीन राजनीति को नकारने का जो परिणाम होना चाहिए, वह अक्सर नहीं दिखाई देता। यह पीड़ा की बात है, और चिंता की भी। यह चिंता राजनेता नहीं करेंगे। उनका स्वार्थ इस स्थिति के बने रहने में है। स्थिति को बदलने की आवश्यकता तो मतदाता को है। वह इस आवश्यकता को समझते हुए भी अक्सर न समझने की मुद्रा अपना लेता है। टिकटों के बंटवारे को लेकर आज महाराष्ट्र में जिस तरह की स्थिति दिखी है, वह अपने आप में कोई नयी स्थिति नहीं है। बहुत देखा है इस स्थिति को मतदाता ने। देखा ही नहीं, सहा है, कहा जाना चाहिए। पर क्यों सहे मतदाता इस स्थिति को? बड़ी बेशर्मी के साथ हमारे राजनेता अपना पाला बदल लेते हैं। शरद पवार ने टिकट नहीं दिया तो अजित पवार के पाले में चले जाएंगे; उद्धव ठाकरे की पार्टी से चुनाव लड़ने का टिकट नहीं मिला तो शिंदे की पार्टी दे देगी; भाजपा के नेतृत्व ने किसी की उम्मीदवारी का दावा स्वीकार नहीं किया तो कांग्रेस का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। किसी को कांग्रेस नकारती है तो भाजपा बांहें फैला कर उसका स्वागत कर लेगी। महाराष्ट्र का यह सच देश के बाकी राज्यों का सच भी है। इस सच का निहितार्थ सत्ता के लालच के संदर्भ में ही समझा जा सकता है। सत्ता के लिए कुछ भी किया जा सकता है, किया जा रहा है। लेकिन सत्ता के लिए विचारधारा की जिस तरह आज बलि दी जा रही है, वह जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की धज्जियां उड़ाना ही है। आज़ादी प्राप्त करने के कुछ अर्सा बाद तक स्थिति ऐसी या इतनी बुरी नहीं थी। हमारे पास ऐसे नेता थे जो नीतियों और मूल्यों की राजनीति में विश्वास करते थे। तब एक सीमा तक हमारी राजनीति तीन हिस्सों में बंटी हुई थीङ्क वामपंथी, दक्षिणपंथी और मध्यमार्गी। तब हमारा मतदाता इतना शिक्षित नहीं था, जितना आज है। पर राजनीति के इस विभाजन को वह समझता था। तब हमारे नेताओं को अपनी छवि की, शायद, ज़्यादा चिंता थी। आज स्थिति बदल गयी है। नेता भले ही यह कहता रहे कि 'यह पब्लिक है सब जानती है' पर मानता वह यही है कि पब्लिक को बरगलाया जा सकता है। इसीलिए जब चाहे कोई 'आयाराम गयाराम' बन जाता है और सब जानने का दावा करने वाली पब्लिक यह खेल देखकर हंसती रह जाती है। पर बात हंसने की नहीं है। पीड़ा देने वाली बात है यह। मतदाता का कर्तव्य है कि वह आयाराम गयाराम की राजनीति में विश्वास करने वाले प्रत्याशियों से पूछे कि उनके आचरण को अस्वीकार क्यों न किया जाये? क्यों न पूछा जाये कि वह मतदाता को इतना कमज़ोर क्यों समझते हैं कि कुछ भी करना-कहना अपना अधिकार मान लेते हैं? और यह सवाल मतदाता को अपने आप से भी पूछना चाहिए कि वह अक्सर नेताओं के हाथ का खिलौना क्यों बन जाता है? एक बात जो और उभर कर सामने आयी है, वह अपनी संतानों को नेताओं द्वारा राजनीतिक उत्तराधिकार देने की है। यह सिर्फ महाराष्ट्र का सच नहीं है कि अधिकतर बड़े नेता अपनी संतानों को राजनीति में 'फिट' करना चाह रहे हैं। यहां भी वे इस बात की कोई परवाह नहीं करते कि उनके इस कार्य को अनैतिक माना जायेगा। राजनीतिज्ञ की संतान का राजनीति में आना कतई ग़लत नहीं है। ग़लत तो यह है कि राजनेता अपनी गद्दी को विरासत में देना अपना अधिकार समझने लगे हैं। और नेता-संतानें भी पिता की गद्दी पर अपना अधिकार समझती हैं। नेताओं और उनकी संतानों का यह कथित अधिकार अनैतिक है। जनतंत्र हर एक को अपनी योग्यता-क्षमता प्रमाणित करने का अवसर देता है। पर यह क्षमता-योग्यता विरासत में नहीं मिलती। यह बात हमारे राजनेताओं और मतदाताओं, दोनों को प्रमाणित करनी होती है। रातो-रात पाला बदलना जहां एक ओर व्यक्ति की सत्ता-लोलुपता को उजागर करता है वहीं सिद्धांतहीन राजनीति उस खतरे का भी संकेत देती है जो जनतांत्रिक व्यवस्था और सोच के सामने आ खड़ा हुआ है। इस खतरे का अहसास और मुकाबला, राजनेताओं को नहीं, जनता को करना है। जनता यानी मैं और आप। हमें अपने आप से पूछना होगा कि क्या हम इस मुकाबले के लिए तैयार हैं?

# अब 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धों को भी मिलेगा आयुष्मान भारत योजना का लाभ

**हरदा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वर्चुअल रूप से 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वृद्धजनों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत शामिल किये जाने की योजना का शुभारम्भ किया। इसके साथ ही उन्होने स्वास्थ्य विभाग के यू-विन पोर्टल सहित अन्य डिजिटल नवाचारों को भी लॉंच किया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय हरदा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, उपाध्यक्ष जिला पंचायत दर्शन सिंह गेहलोत, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेड़िया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मंदसौर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम में

पूर्व कृषि मंत्री पटेल ने उपस्थित जनों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलाई।

## गोवर्धन पूजन कार्यक्रम 2 नवम्बर को दयोदय गौशाला में होगा

**हरदा।** मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों में कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसी क्रम में हरदा में 2 नवम्बर को स्थानीय दयोदय गौशाला में अपरान्ह 4 बजे से जिला स्तरीय गोवर्धन पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम की तैयारियों के लिये मंगलवार को कलेक्ट्रेट में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर आदित्य सिंह ने निर्देश दिये कि गोवर्धन पूजन कार्यक्रम पर गौ सेवकों का सम्मान तथा गौशाला परिसर में साफ-सफाई के कार्यक्रम आयोजित किये जायें। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, एसडीएम हरदा कुमार शानु देवड़िया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश पाटीदार, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रवीण इवने, उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. एस.के. त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि 2 नवम्बर को दयोदय गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में गोवर्धन पूजा के साथ-साथ गौ ग्रास कार्यक्रम, गौ सेवकों का सम्मान, पंच गव्य के उत्पादों पर संगोष्ठी आयोजित होगी। साथ ही गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे गौ प्रेमियों को सम्मानित किया जाएगा।

**ग्रामीण विकास व नगरीय विकास विभाग ने जारी किये आदेश**

## दीपावली पर्व पर रेहड़ी पटरी पर व्यवसाय करने वालों को बाजारी कर से छूट

**हरदा।** प्रदेश में दीपावली पर्व के अवसर पर रेहड़ी पटरी पर अस्थायी रूप से व्यवसाय करने वाले छोटे व्यवसायियों को स्थानीय सामग्री विक्रय करने पर लगने वाले बाजारी कर और शुल्क से छूट प्रदान की गई है। यह आदेश 29 अक्टूबर से 11 नवम्बर ग्यारस पर्व तक प्रभावशील रहेगा। यह आदेश स्थानीय कौशल उस पर आधारित स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने आज आदेश जारी किया है। इसके अलावा पंचायत ग्रामीण विकास विभाग द्वारा भी इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गये है। जारी आदेश अनुसार रेहड़ी पटरी पर व्यवसाय करने वाले छोटे व्यवसायियों, ग्रामीण कारीगरों, महिला स्वसहायता समूहों को दीपावली पर्व पर मिट्टी एवं गोबर के दीपक व दीपमालाएं बनाने पर धार्मिक प्रतीकों के विक्रय के लिये ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से उन्हें बाजार कर अथवा शुल्क से छूट दी गई है। यह आदेश 11 नवम्बर तक लागू रहेगा।

# मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने स्थानीय विक्रेता से मिट्टी के दीपक खरीद कर दिया 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश

**भोपाल।** सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को धनतेरस के शुभ अवसर पर नरेला विधानसभा अंतर्गत छोला स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर के समीप स्थानीय कारीगर से दीपक खरीदे और डिजिटल पेमेंट यूपीआई के माध्यम से भुगतान किया। इस दौरान मंत्री सारंग ने 'वोकल फॉर लोकल' के लिये नागरिकों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आज देशवासियों में 'स्वदेशी' की भावना जागृत हुई है, वोकल फॉर लोकल से स्थानीय कारीगरों को नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि स्थानीय कारीगरों से सामान खरीदने पर देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। वोकल फॉर लोकल की भावना त्यौहारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह जीवन की

सभी आवश्यकताओं के लिए अपनाई जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने नागरिकों को दीपावली की शुभकामनाएं भी दी। मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत लाला लाजपत राय कॉलोनी के रहवासियों को विकास कार्यों की सौगात देते हुए सड़क निर्माण कार्य व सौंदर्यीकरण का भूमिपूजन किया। नागरिकों ने सड़क के नवीनीकरण के लिये मंत्री सारंग के समक्ष अपनी समस्या रखी। जिस पर मंगलवार को मंत्री सारंग ने सड़क का निरीक्षण किया, इसके साथ ही उन्होंने तत्काल सड़क निर्माण कार्य व सौंदर्यीकरण का भूमिपूजन भी किया। इस सौगात के लिये रहवासियों ने मंत्री सारंग का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों को धनतेरस व दीपोत्सव की शुभकामनाएं प्रेषित की। सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा में नागरिकों की सुविधाओं में निरंतर वृद्धि कर रहे हैं। इस सड़क निर्माण कार्य से कॉलोनी के रहवासियों का आवागमन सुगम होगा। इस दौरान भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, स्थानीय जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे।

# कलेक्ट्रेट में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर अधिकारी कर्मचारियों ने ली शपथ

**हरदा।** लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मंगलवार को हरदा जिले में ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट में संयुक्त कलेक्टर सतीश राय ने उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता व अखण्डता की शपथ दिलाई।

## खाद्य पदार्थों के सैम्पल लिये गये

**हरदा।** कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों से सैम्पल लिये जा रहे है। मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुज्योति बंसल और आर. के. कांबले की टीम ने

हरदा की पावनी डेयरी से मावा व पनीर, कैलाश भैया डेयरी से मावा व घी तथा मधुर डेयरी से दही व मिल्क के सैंपल लिये। इससे पूर्व सोमवार को खिरकिया की पुष्पा डेयरी से गुलाब जामुन व चॉकलेट तथा कृष्णा डेयरी से मावा व घी के सैंपल लिए गये। उन्होने बताया कि ये सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जायेंगे तथा जांच रिर्पोट के आधार पर कार्यवाही की जायेगी।

# पीएम कालेज आफ एक्सीलेंस रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय से हुआ रन फार यूनिटी का आयोजन

## कलेक्टर ने छात्र छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ

**उमरिया ।** रन फार यूनिटी का आयोजन पीएम कालेज आफ एक्सीलेंस रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय से रन फार यूनिटी का आयोजन कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की उपस्थिति में किया गया । यह दौड महाविद्यालय से प्रारंभ हुई , जो स्टेशन चौराहा से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची जहां पर दौड का समापन किया गया।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, अतिरिक्त, पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह, जिला पंचायत सदस्य सावित्री सिंह, प्राचार्य सीबी सोधियां, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने पीएम कालेज आफ एक्सीलेंस रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में छात्र छात्राओं, खिलाडियों, अधिकारियों, कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलाई ।

कलेक्टर ने शपथ दिलाई कि मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता, सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयास करूंगा । मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूं जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूर दर्शिता एवं कार्यो व्दारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूं।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, अतिरिक्त, पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह, जिला पंचायत सदस्य सावित्री सिंह, प्राचार्य सीबी सोधियां, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

# युवा टीम ने उमरिया में किया एक दीप शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन

## माँ बिरासिनी शक्ति पीठ परिसर में रंगोली के साथ,3100 दीप प्रज्वलित कर शहीदों किया नमन

**उमरिया ।** उमरिया जिले की सक्रिय युवा टीम उमरिया के द्वारा एक दिया शहीदों के नामकार्यक्रम का मां बिरासिनी शक्तिपीठ बिरसिंहपुर पाली में आयोजन किया गया. जिसमें अमर जवान की रंगोली एवं 3100 दीप प्रज्वलित कर शहीदों को नमन किया गया व एक एक दीप शहीदों के नाम रखा गया।

युवा टीम के सदस्यों ने राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग अधिकारियों व वरिष्ठ नागरिकों के साथ दिवाली का जश्न मनाते हुए उन शहीदों के नाम एक दिया प्रज्वलित किया, जो देशवासियों की रक्षा के लिए सीमा पर शहीद हो चुके हैं। कार्यक्रम में युवा टीम उमरिया के तमाम सदस्य और छोटे छोटे बच्चों के अलावा स्थानीय लोग भी मौजूद थेढ्ढ

कार्यक्रम के दौरान सभी लोगों मे हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला. लोगो ने मिलकर शहीदों के नाम पर 3100 दीप प्रज्वलित किए। पाली एसडीओपी शिवचरण बोहित, तहसीलदार, पाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी,वरिष्ठ समाजसेवी पंडित प्रकाश पालीवाल संजीव खंडेलवाल, पंडा गोपाल विश्वकर्मा ने कहा कि भारतीय सेना के जवान दिनरात हमारी रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते है और हम उनकी वीरता को सलाम करते हैं।

दीपों से प्रस्फुटित होती रोशनी प्रत्येक चेहरे पर गर्व की अनुभूति करा रही थी, सभी के दिलों में शहीदों के प्रति अपार सम्मान व कृतज्ञता का भाव झलक रहा था। ये दीप उनकी यादों में रोशन किए गए थे जिनके बलिदान को कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता। सहायक उपनिरीक्षक बृजेंद्र

उर्मिला व समाजसेवी पवन सम्भर ने कहा कि युवाओं का यह आयोजन एक अच्छी पहल है। टीम का नेतृत्व कर रहे हिमांशु तिवारी ने युवा टीम उमरिया के दौरान प्रतिवर्ष एक दीप शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजन किया जाता है। और ऐसे आयोजन सभी को प्रेरणा देते हैं।

इस मौके पर युवा टीम उमरिया के सदस्यों ने मनमोहक रंगोली बनाकर मिट्टी के दीयों को सजाया। जब सारे दीप जल गए तो एक सुंदर दृश्य नजर आने लगा। इस अवसर पर मिथलेश सिंह, पुलिस विभाग से प्रधान आरक्षक शैलेंद्र कुमार दुबे, बिरासिनी इंस्टिट्यूट संस्थापक पवन सम्भर, एडवोकेट नीरज राय, हिमांशु तिवारी, खुशी सेन, साक्षी रैदास,नेहा गुप्ता,सौरभ पांडेय,अंकित सिंह,बबलू रजक,आदित्य यादव,सागर काश्यप, निधि गुप्ता,अवंतिका यादव,रिद्धि तिवारी,निशा रजक,दीपक बर्मन, साहिल कोल, एवं नगर के वरिष्ठ आमजन जनप्रतिनिधि एवं सभी श्रद्धालु गण उपस्थित रहे।

# तेंदूखेड़ा की मिठाई दुकानों एवं मिष्ठान निर्माण स्थलों पर मैजिक बॉक्स से परखी गई खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता

**दमोह ।** कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने तेंदूखेड़ा नगर में मिठाई दुकानों एवं मिष्ठान निर्माण स्थलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण कार्यवाही में तेंदूखेड़ा नगर में बस स्टैंड स्थित श्री बीकानेर मिष्ठान भंडार एवं राजा स्वीट्स एवं विद्या नगर स्थित आशीष स्वीट्स से मलाई पेड़ा, सेव नमकीन, कैडबरी सेलिब्रेशन पैक एवं हल्दीराम सेलिब्रेशन पैक के नमूनें जांच हेतु लिए गए। इन खाद्य पदार्थों के नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। मौके पर मैजिक बॉक्स की सहायता से खोवा, बर्फी, बेसन लड्डू, मिठाईयां एवं नमकीन की ऑन द स्पॉट जांच की गई।

# मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता, स्वास्थ्य और फिटनेस के संकल्प को दर्शाती रन फॉर यूनिटी की पहल अभूतपूर्व है। स्वतंत्रता के साथ ही सरदार पटेल ने देश के स्वास्थ्य की सर्वाधिक चिंता की। विभिन्न रियासतों द्वारा अपनाए गए विपरीत विचारों के बावजूद दो साल से भी कम समय में रियासतों का विलय कराकर सरदार पटेल ने देश को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के उद्दात और विराट व्यक्तित्व को समाज में पुनर्स्थापित करने के लिए देश को रन फॉर यूनिटी का विचार प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारत की अखंडता को समर्पित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में तात्या टोपे नगर स्टेडियम में आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थितजन को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

### संगोष्ठी में विभिन्न विषयों के पैनल डिस्कशन में वक्ताओं ने रखे विचार

# जलवायु परिवर्तन को रोकने जमीनी स्तर पर व्यवहार में लाना होगा बदलाव

**भोपाल।** जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये जमीनी स्तर पर व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पंचामृत की जो बात कही गई है, उसका पालन सभी को करना चाहिए। भारत हमेशा प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में सामने आया है। विषय-विशेषज्ञों ने इस तरह के विचार जलवायु परिवर्तन के लिये वैश्विक प्रयास ङ्क भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान पर हुई संगोष्ठी में इंडियाज पर्सपेक्टिव ऑन क्लाइमेट चेंज और पॉजिटिव एफर्ट्स् फॉर क्लाइमेट प्रोटेक्शन एट नेशनल एण्ड इंटरनेशनल लेवल्स पर हुए पैनल डिस्कशन में व्यक्त किये।

सेवानिवृत्त आईएएस श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कार्बन बाजारों में प्रवेश के लिये ठोस फ्रेमवर्क बनाने की जरूरत है। इससे प्राकृतिक खेती और सतत् वन विकास एवं पर्यावरणीय प्रयासों को वित्तीय सहायता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को प्रोत्साहित करेगा बल्कि भारत को वैश्विक हरित अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका में स्थापित करेगा। श्री प्रसाद कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव गरीबों पर पड़ता है, अत- क्लाइमेट जस्टिस जरूरी है। वरिष्ठ पत्रकार की श्री अभिलाष खांडेकर ने कहा कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिये नेचर वॉलेंटियर्स बनाने की जरूरत है। पानी का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के व्यवहार में परिवर्तन जरूरी है। आईआईएफएम के प्रोफेसर डॉ. योगेश दुबे ने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के लिये भारत सरकार ने बड़ी तेजी से कदम आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं ग्लास में एक भी बूंद पानी की नहीं छोड़ता। श्री दुबे ने कहा कि स्वाइल हेल्थ कार्ड बनाने का कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। वनीकरण और हाइड्रोजन फ्यूल के उपयोग को बढ़ावा देना क्लाइमेट चेंज को रोकने में मददगार साबित होंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया के वरिष्ठ पत्रकार श्री विश्वमोहन ने कहा कि सभी को मिलकर समग्र प्रयास करने की जरूरत है। वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्राचीन पर्यावरणीय संरचनाओं पर गहराई से अध्ययन करने की योजना बनाई गई है। इसमें बारिश को प्रभावित करने वाले वायुकणों का अध्ययन, जलवाष्प का विश्लेषण जैसे विषयों को शामिल किया गया है। संचालक अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान श्री राजेश गुप्ता ने कहा कि यहां जो चर्चाएं हुई हैं, वह दूर तलक जायेंगी। यह एक शुरूआत है, हम जरूर कामयाब होंगे। नर्मदा समग्र के चीफ एक्जीक्यूटिव श्री कार्तिक सप्रे ने कहा कि मैं से हम और हम से सब के सूत्र पर काम कर रहे हैं। नदी केवल एक बहता पानी नहीं है बल्कि यह एक सजीव है। पैरवी के डायरेक्टर श्री अजय झा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पर पहली बार मध्यप्रदेश में राज्य स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय विषय पर सार्थक चर्चा की गई। इस दौरान अन्य वक्ताओं ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

## मुख्यमंत्री डॉ यादव ने दीपावली पर्व के पर कर्मचारियों को दिया है तोहफा: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली पर्व के शुभ अवसर पर सभी शासकीय सेवकों को तोहफा दिया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने समस्त शासकीय सेवकों को जो पूरी मेहनत और लगन से मध्यप्रदेश को बेहतर बनाने के लिये लगे हुए हैं को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि शासकीय सेवकों को दिये जाने वाले महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत की वृद्धि का निर्णय लिया गया है। अब वर्तमान देय डीए 46 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगा। शासकीय सेवकों को दिनांक 1 जनवरी 2024 की स्थिति में महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत की दर से दिया जायेगा। एरियर का भुगतान इसी वित्तीय वर्ष में चार समान किश्तों में किया जायेगा।

## पंचसेवा गृह निर्माण सहकारी संस्था के पूर्व अध्यक्ष अशोक गोयल सहित अन्य पर ईओडब्ल्यू में प्रकरण दर्ज

**भोपाल।** राजधानी भोपाल में पंचसेवा गृह निर्माण सहकारी संस्था के पूर्व अध्यक्ष सहित सदस्यों पर धोखाधड़ी का आरोप लगा है। संस्था के तत्कालीन अध्यक्ष अशोक गोयल और उनके सहयोगियों के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण अनिल अग्रवाल की शिकायत पर दर्ज किया गया है। इसमें अशोक गोयल और उनके सहयोगियों पर पंचसेवा गृह निर्माण सहकारी संस्था के सदस्यों से भूखंड आवंटन के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि रजिस्ट्री के नाम पर एकत्रित धन का इस्तेमाल भूखंड आवंटन के बजाय अवैध तरीके से अन्य लोगों को जमीन बेचने में किया गया। इसमें सरकारी छूट का भी दुरुपयोग हुआ, जिससे राज्य सरकार को भारी नुकसान हुआ।बता दे की अशोक गोयल पर पहले से ही कई धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले दर्ज हैं और वह कई बार जेल जा चुका है। फिलहाल वह जमानत पर बाहर है।

शिकायत में अशोक गोयल के अलावा मनीष तिवारी, नवजोत सिंह, यावर अली खान और रियाज़ खान का भी नाम शामिल है। इन सभी पर धोखाधड़ी, जालसाजी और सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। अनिल अग्रवाल का कहना है कि संस्था के सदस्यों को भूखंड न देकर उनकी जमा राशि का दुरुपयोग किया गया और उनकी जमीन अन्य लोगों को बेच दी गई। फिलहाल इस मामले में ?आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने अशोक गोयल और उसके सहयोगियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में कई अनियमितताएं सामने आई हैं और सरकारी नियमों का उल्लंघन हुआ है। जांच पूरी होने के बाद आरोपियों की संपत्तियां जब्त की जा सकती हैं।

## स्वामी दंडी स्वामी सरस्वती महाराज आश्रम पर हुआ 51 बटुक ब्राह्मण द्वारा सुंदरकांड पाठ

**भोपाल।** ब्रह्मलीन स्वामी दंडी स्वामी सरस्वती महाराज आश्रम लालघाटी टेकरी पर दीपावली के उपलक्ष्य में 51 बटुक ब्राह्मण द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ शंभू दास महाराज के सानिध्य में हुआ। विशाल भंडारा, ब्राह्मण आचार्य विदाई समारोह भी हुआ। पंडित रवि पटेरिया ने कहा कि समस्त हिंदू समाज को एक मंच पर लाकर संगठित करना हमारा लक्ष्य है जो कि हिंदू समाज अलग-अलग रास्ते पर जा रहा है हम सबको एक होकर हिंदू राष्ट्र बनाने का संकल्प लेंगे। सुंदरकांड में दूर-दूर से भक्त लोग सम्मिलित हुए जिसमें मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल मध्य भारत प्रांत के विशाल पुरोहित, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा, भोपाल विभाग सहसंयोजक अभिजीत, पार्षद प्रियंका अनिल मिश्रा, पार्षद कुसुम चतुर्वेदी, संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी, भाजपा मंडल के महामंत्री राधे महाराज, लालघाटी गुफा मंदिर से रामकुमार देवलिया, पंडित नील मणि दुबे, पंडित गोविंद शर्मा, पंडित डॉ. अरविंद पचैरी, पूनम यादव, अनीता मिश्रा, दीपाली दुबे, पार्वती पांडे, आशा तोमर, उर्मिला राजपूत, त्रिलोक नारायण यादव, पवन सिंह धाकड़, करण सिंह राजोरिया, प्रदीप पचैरी आदि उपस्थित थे। रोहित परमार, रामजी ठाकुर ने सभी को तिलक लगाकर शुभकामनाएं दी।

## विद्युत वितरण कंपनी ने बकायादारों पर दिखाई सख्ती, काटे जा रहे कनेक्शन

**भोपाल।** मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बकाया राशि वसूली के लिए सघन प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों के अंतर्गत बकाया राशि वसूली के लिए घर-घर जाकर बिजली कर्मचारी और अधिकारी राजस्व वसूली में लगे हैं। कंपनी के सभी वृत्त कार्यालयों में समीक्षा बैठकें आयोजित कर मैदानी स्तर पर राजस्व वसूली की वृद्धि के प्रयास तेज कर दिये गये हैं। सभी मैदानी अधिकारियों को बकाया राशि वसूली करने, भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत सी-फार्म एवं कुर्की करने एवं बैंक खाते सीज करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। कंपनी ने यह भी निर्देश दिये हैं कि विजीलेंस द्वारा बनाये गये प्रकरणों में बकाया राशि की वसूली भी तेज की जाए। इसके अलावा ऑडिट द्वारा निकाली गई बकाया राशि और अन्य कारणों से बकाया राशि को उपभोक्ता के बिल में जोड़कर राजस्व वसूली की जाए। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने कंपनी कार्यक्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बकाया राशि का भुगतान निर्धारित देयक तिथि से पूर्व करें। प्रबंध संचालक ने यह भी निर्देश दिए हैं कि बकायादारों के प्रभावी डिस्कनेक्शन किए जाएं तथा निगरानी रखी जाए कि कटे कनेक्शन अनधिकृत रूप से जोड़े नहीं जाएं। यदि कटे कनेक्शन को जोड़ा पाया जाता है तो विद्युत अधिनियम 2003 की राशि के अंतर्गत दोषी उपभोक्ता पर कार्यवाही की जाए। कर्मचारियों से कहा है कि टीम भावना से कार्य कर लक्ष्य की प्राप्ति करें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान करने पर उनके कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है साथ ही अधिकतम छूट के लिए कोई सीमा बंधन नहीं है। इसी प्रकार उच्चदाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रूपये से 1000 रुपये तक की छूट दी जा रही है।

## गांधी सागर अभ्यारण्य बना चीतों का नया घर

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के नीमच और मंदसौर जिले में स्थित गांधी सागर अभ्यारण्य में चीतों का नया घर तैयार हो गया है। जो कूनो नेशनल पार्क के बाद चीतों का दूसरा महत्वपूर्ण आवास होगा। हाल ही में कान्हा नेशनल पार्क से 18 नर और 10 मादा चीतल लाये गये है, जिन्हें गांधी सागर अभयारण्य के बाड़े में छोड़ा गया। इस विशेष परियोजना का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जाता है, जिन्होंने वन्य-जीव संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी पहल से चीतों के पुनर्स्थापना योजना को गति मिली है। गांधी अभयारण्य में 400 से अधिक चित्तीदार हिरण पहले से ही छोड़े जा चुके है, जो स्थानीय परिस्थितिकी को मजबूत करेंगे। इस पहल से पर्यटन पर भी सकरात्मक प्रभाव पड़ेगा। गांधी सागर अभयारण्य और इसके आसपास के क्षेत्रों में ईको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था का विकास होगा।

शानदार प्रदर्शन के बाद भी रिटेन होने की कोई उम्मीद नहीं

# केकेआर से होगी आंद्रे रसेल की छुट्टी !

**नईदिल्ली, एजेंसी।** कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 का खिताब जीता था. टीम को खिताब जिताने में हर खिलाड़ी ने अपना योगदान दिया था, जिसमें वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंड आंद्रे रसेल भी शामिल थे. रसेल ने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल किया था. इतना ही नहीं, रसेल 2014 से कोलकाता का हिस्सा रहे हैं. लेकिन अब सामने आई रिपोर्ट में बताया गया कि आईपीएल 2025 में रसेल और केकेआर का साथ खत्म हो सकता है. रेवस्पोर्ट्ज के मुताबिक, रसेल को आईपीएल 2025 के लिए रिटेन नहीं किया जाएगा. हालांकि अब तक रसेल को रिटेन नहीं किए जाने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. आईपीएल 2024 में रसेल ने 9 पारियों में बैटिंग करते हुए 31.71 की औसत और 185.00 के ताबड़तोड़ स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए थे, जिसमें उनका हाई स्कोर 64* रनों का रहा था. इसके अलावा 14 पारियों में बॉलिंग करते हुए उन्होंने 15.52 की औसत से 19 विकेट चटकाए थे.

# भारत के खिलाफ तीसरा टेस्ट भी नहीं खेलेंगे केन विलियमसन

**वेलिंगटन, एजेंसी।** ग्रोइन इंजरी से जूझ रहे केन विलियमसन भारत के ख़िलाफ़ 1 नवंबर से मुंबई में शुरू हो रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट में भी नहीं खेलेंगे। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कहा है कि इंग्लैंड के ख़िलाफ़ आगामी तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में विलियमसन की फ़िटनेस सुनिश्चित करने के कारणवश कीवी बल्लेबाज़ तीसरे टेस्ट के लिए भारत नहीं जाएंगे।न्यूज़ीलैंड के कोच गैरी स्टीड के हवाले से एनजेडसी ने कहा, केन की स्थिति में काफ़ी सुधार हुआ है लेकिन इस समय वह हमारे साथ जुड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। इसलिए हमारे विचार में उन्हें अभी न्यूज़ीलैंड में रिहैब करना चाहिए ताकि वह इंग्लैंड के ख़िलाफ़ श्रृंखला के लिए तैयार हो सकें।इंग्लैंड के ख़िलाफ़ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला क्राइस्टचर्च में 28 नवंबर से शुरू होने वाली है। विलियमसन को यह चोट श्रीलंका दौरे के दौरान लगी थी जिसके चलते विलियमसन भारत के ख़िलाफ़ पहले दो टेस्ट मैचों का भी हिस्सा नहीं बन पाए थे। बहरहाल भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच जारी टेस्ट श्रृंखला को न्यूज़ीलैंड पहले ही अपने नाम कर चुका है। न्यूज़ीलैंड इस समय 2-0 से आगे है और भारत में यह न्यूज़ीलैंड की पहली टेस्ट सीरीज़ जीत भी है। वहीं भारत 12 वर्षों में पहली बार घर पर कोई टेस्ट सीरीज़ हारा है।

# मैथ्यू वेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

## अब राष्ट्रीय टीम के साथ सहायक कोचिंग की भूमिका निभाएंगे

**मेलबर्न, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है और अब वह राष्ट्रीय टीम के साथ सहायक कोचिंग की भूमिका निभाएंगे। वेड ने 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 200 से अधिक मौकों पर खेला है, जिनमें से अधिकांश दो सफेद गेंद प्रारूपों के माध्यम से आए हैं। टी20 विश्व कप 2021 विजेता, वेड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 36 टेस्ट मैच, 97 वनडे और 92 टी20 मैच खेले हैं, उन्होंने वनडे और टी20 टीमों की कप्तानी भी की है। विकेटकीपर-बल्लेबाज, हालांकि, तस्मानिया और होबार्ट हरिकेंस के साथ-साथ कुछ विदेशी लीगों के लिए सफेद गेंद क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। खेल के बाद के करियर के लिए उनकी योजनाएं पहले से ही तैयार हैं, 36 वर्षीय खिलाड़ी अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ़ होने वाली टी20 सीरीज़ के लिए ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपिंग और फ़ील्डिंग कोच बनने के लिए तैयार हैं। वेड ने कहा, मुझे पूरी तरह से पता था कि पिछले टी20 विश्व कप के अंत में मेरे अंतरराष्ट्रीय दिन शायद खत्म हो गए थे। पिछले छह महीनों में जॉर्ज (बेली) और एंड्रयू (मैकडोनाल्ड) के साथ मेरी अंतरराष्ट्रीय सेवानिवृत्ति और कोचिंग के बारे में लगातार बातचीत होती रही है।पिछले कुछ सालों से कोचिंग मेरे रडार पर है और शुक्र है कि मुझे कुछ बेहतरीन अवसर मिले हैं, जिसके लिए मैं बहुत आभारी और उत्साहित हूं। मैं गर्मियों के महीनों में बीबीएल (बिग बैश लीग) और कुछ फ्रेंचाइज लीग खेलना जारी रखूंगा, लेकिन एक खिलाड़ी के रूप में उन प्रतिबद्धताओं के इर्द-गिर्द मैं अपनी कोचिंग में बहुत ज़्यादा निवेश कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त होने के साथ, मैं अपने सभी ऑस्ट्रेलियाई साथियों, कर्मचारियों और कोचों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जितना चुनौतीपूर्ण हो सकता था, उतना ही सफ़र का आनंद लिया। मेरे आस-पास अच्छे लोगों के बिना, मैं कभी भी खुद से उतना नहीं निकाल पाता जितना मैंने निकाला।

वेड ने 2011-12 की गर्मियों में अपना टी20 और वनडे डेब्यू किया और 2012 में बारबाडोस में अपना बैगी ग्रीन जीता, जब ब्रैड हैडिन व्यक्तिगत कारणों से चले गए। उन्होंने टी20 विश्व कप के तीन संस्करणों में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेला, उनकी सबसे यादगार उपलब्धि 2021 में आई जब उन्होंने उप-कप्तान की भूमिका में ऑस्ट्रेलिया को दुबई में अपने पहले 20-ओवर के खिताब तक पहुंचने में मदद की। उन्होंने उस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में रोमांचक जीत में मात्र 17 गेंदों पर नाबाद 41 रन की पारी खेली थी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने कहा, मैथ्यू को उनके शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई, जिसमें उनके कौशल और बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें सभी प्रारूपों में एक बेहतरीन खिलाड़ी बनाया है। मुझे खुशी है कि वह अगली पीढ़ी के सितारों को कोचिंग देकर और होबार्ट हरिकेंस के साथ बिग बैश में जलवा बिखेरकर अपने विशाल योगदान में इजाफा करेंगे।

# धनतेरस पर कुबेर के बिना लक्ष्मी जी की पूजा अधूरी रहती है

लोग इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी गणेश की पूजा के लिए मूर्ति भी खरीदते हैं। दीपावली के लिए विविध वस्तुओं की ख़रीद भी इस दिन से शुरू हो जाती है। कहीं कहीं स्थानीय मान्यताओं के अनुसार लोग इस दिन से अपनी वस्तु उधार नहीं देते। दीपावली से पहले कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाये जाने वाले धनतेरस को धन्वन्तरि त्रयोदशी भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन सोने चांदी की कोई चीज या नए बर्तन खरीदना अत्यंत शुभ होता है। धनतेरस के दिन लक्ष्मी जी के साथ धन्वन्तरि और कुबेर की भी पूजा की जानी चाहिए क्योंकि कुबेर जहां धन का जोड़-घटाव रखने वाले देवता हैं वहीं धन्वन्तरि ब्रह्मांड के सबसे बड़े वैद्य देवता हैं। जिस प्रकार देवी लक्ष्मी सागर मंथन से उत्पन्न हुई थीं उसी प्रकार धन्वन्तरि भी अमृत कलश के साथ सागर मंथन से उत्पन्न हुए हैं। धन्वन्तरि जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था। इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। यह भी मान्यता है कि इस दिन जो वस्तु खरीदी जाती है उसमें 13 गुणा वृद्धि होती है। लोग इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी गणेश की पूजा के लिए मूर्ति भी खरीदते हैं। दीपावली के लिए विविध वस्तुओं की ख़रीद भी इस दिन से शुरू हो जाती है। कहीं कहीं स्थानीय मान्यताओं के अनुसार लोग इस दिन से अपनी वस्तु उधार नहीं देते। धनतेरस के दिन सिर्फ नयी वस्तुओं की खरीदारी ही नहीं की जाती बल्कि दीप भी जलाए जाते हैं। धनतेरस पर कुबेर के बिना लक्ष्मी जी की पूजा अधूरी रहती है। धन्वन्तरि हिंदू धर्म की मान्यताओं के मुताबिक देवताओं के वैद्य हैं। उन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। इनकी चार भुजायें हैं। ऊपर की दोनों भुजाएं शंख और चक्र धारण किये हुये हैं। जबकि दो अन्य भुजाओं में से एक में जलूका और औषधि तथा दूसरे में अमृत कलश है। इनका प्रिय धातु पीतल माना जाता है। आयुर्वेद की चिकित्सा करने वाले वैद्य इन्हें आरोग्य का देवता कहते हैं। पूरे वर्ष में यही वह दिन है, जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा रात्रि के समय की जाती है और यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। इस दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर यम का पूजन करना चाहिए। चूंकि यह दीपक यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अत- दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन कर यह प्रार्थना करनी चाहिए कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। शास्त्रों में कहा गया है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। एक बार यमराज ने अपने दूतों से प्रश्न किया, कया प्राणियों के प्राण हरते समय तुम्हें किसी पर दया आती है? यमदूत संकोच में पड़कर बोले, नहीं महाराज! हम तो आपकी आज्ञा का पालन करते हैं। हमें दया भाव से क्या प्रयोजन? यमराज ने सोचा कि शायद ये संकोचवश ऐसा कह रहे हैं। अत: उन्हें निर्भय करते हुए वे बोले, संकोच मत करो। यदि कभी कहीं तुम्हारा मन पसीजा हो तो निडर होकर कह डालो। तब यमदूतों ने डरते-डरते बताया कि सचमुच! एक ऐसी ही घटना घटी थी महाराज, जब हमारा हृदय कांप उठा था। उत्सुकतावश यमराज ने पूछा- ऐसी क्या घटना घटी थी? तो यमदूत बोले, महाराज! हंस नाम का राजा एक दिन शिकार के लिए गया। वह जंगल में अपने साथियों से बिछुड़कर भटक गया और दूसरे राय की सीमा में चला गया। वहां के शासक हेमा ने राजा हंस का बड़ा सत्कार किया। उसी दिन राजा हेमा की पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया। योतिषियों ने नक्षत्र गणना करके बताया कि यह बालक विवाह के चार दिन बाद मर जाएगा। राजा हंस के आदेश से उस बालक को यमुना के तट पर एक गुहा में ब्रह्मचारी के रूप में रखा गया। उस तक स्त्रियों की छाया भी नहीं पहुंचने दी गई। किंतु विधि का विधान तो अडिग होता है।

समय बीतता रहा। संयोग से एक दिन राजा हंस की युवा बेटी यमुना के तट पर निकल गई और उसने उस ब्रह्मचारी बालक से गंधर्व विवाह कर लिया। चौथा दिन आया और राजकुंवर मृत्यु को प्राप्त हुआ। उस नवपरिणीता का करुण विलाप सुनकर हमारा हृदय कांप गया। ऐसी सुंदर जोड़ी हमने कभी नहीं देखी थी। वे कामदेव तथा रति से कम नहीं थे। उस युवक को कालग्रस्त करते समय हमारे भी अश्रु नहीं थम पाए थे। यमराज ने द्रवित होकर कहा, क्या किया जाए? विधि के विधान की मर्यादा हेतु हमें ऐसा अप्रिय कार्य करना पड़ा। एकाएक एक दूत ने पूछा- महाराज! क्या अकाल मृत्यु से बचने का उपाय नहीं है? यमराज ने अकाल मृत्यु से बचने का उपाय बताते हुए कहा- धनेतरस के पूजन एवं दीपदान को विधिपूर्वक करने से अकाल मृत्यु से छुटकारा मिलता है। जिस घर में यह पूजन होता है, वहां अकाल मृत्यु का भय पास भी नहीं फटकता। इसी घटना से धनतेरस के दिन धन्वन्तरि पूजन सहित दीपदान की प्रथा का प्रचलन शुरू हुआ। इस दिन सायं को दीप जलाने के बाद भगवान धन्वन्तरी से स्वास्थ्य और सेहतमंद बनाये रखने के लिए प्रार्थना करें।

# वक्त की चाल में ढलने लगी है रंगोली

भारत देश कला के क्षेत्र में विविधता से भरपूर है। अनेक प्रकार की कलाओं के खजानों से भरा हमारा देश है। हमारे देश में हर त्योहार और हर उत्सव की अपनी एक विशेषता होती है। इनमें आंगन में रंगोली बनाने का भी अपना एक अलग महत्व है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, बंगाल, राजस्थान में आंगन में की जाने वाली चित्रकारी का भव्य रूप भले अलग-अलग हो, पर घर के आंगन, भगवान का मंदिर, तुलसी का चौरा, व रसोई घर के मुख्य दरवाजे, दहलीज को साफ-सुथरा कर रंगोली मांड कर पूजा के लिए तैयार किया जाता है। कुछ राज्यों में यह दिनचर्या के रूप में किया जाता है। महाराष्ट्र में प्रतिदिन देव स्थान पर रंगोली की जाती है। बंगाल में कुछ जगहों पर हर त्योहार, उत्सवों के अवसर, विवाह आदि पर रंगोलियां बनाई जाती हैं। गुजरात में दीपावली के पंद्रह दिन, अर्थात कार्तिक सुद ग्यारस से लेकर देवउठनी ग्यारस तक, रोज नई रंगोली बनाने की प्रथा है। दिवाली के उन पांच दिनों में रंगोली कुछ अलग होती है, जैसे धनतेरस को लक्ष्मी गणेश के संग शुभ लाभ की रंगोली, काली मैया की आकृति की काली चौदस को कुबेर या काली मां के साथ कलश, कमल, शंख आदि, और दीपावली के दिन लक्ष्मी पाद, शंख, चौका दीपकों की छटा के साथ। दीपावली का अगला दिन गुजरात में नव वर्ष के आगमन का दिन माना जाता है। नववर्ष शुभ कामनाओं का और अगले दिन भाई-बहन के पवित्र प्यार भरे संबंध का। इस तरह हर दिन गुजरात की महिलाएं, पुरुष, बच्चे मिलकर अपने घर के आंगन, चौक, बरामदों अथवा मोहल्ले के आंगनों व मंदिरों, घर की दहलीज में तरह-तरह की रंगोली बनाकर दीपावली मनाते हैं। महिलाएं सुबह जल्दी उठकर आंगन में पिछले दिन का कचरा साफ करके पुरानी रंगोली को साफ करती हैं, उस पर गेरू का पोता करके पुन: नई रंगोली बनाती हैं। सामान्यत: परंपरागत रंगोली लाल मिट्टी, गेरू, हिरमच, चूने, हल्दी, चावल के आटे से बनाई जाती है। लेकिन गुजरात में इसके लिए अनेक तरह के चूने से बने रंगों से बाजार सज जाता है। यह रंग दीपावली के पहले से ही बाजारों में मिलने लगते हैं। इसमें सफेद चूने का पाउडर प्रमुख होता है, जिससे रंगोली की बाह्य रेखा को आकार देने के लिए प्रयोग किया जाता है। अन्य रंगों की मदद से रंगोली को सुंदर रूप दिया जाता है। आज के आधुनिक युग में रंगोली विभिन्न वस्तुओं से बनाने का चलन बढ़ा है, जैसे परंपरागत रंगोली, फूलों की रंगोली, तरह-तरह के रंगों से बनी रंगोली, साबुत नमक से बनी रंगोली, कागज के कतरन से बनी रंगोली, दाल-चावल से बनी रंगोली, इसके अलावा कांच की चूड़ियों के टुकड़ों से बनी रंगोली, मसालों से सजी रंगोलियां, तरह-तरह के बटनों से, फूल-पत्तों से, मोतियों से व धागों से रंगोली बनाई जाती है। परंपरागत रंगोली में अब भी चूना, गेरू, हल्दी व चावल का आटा व फूलों का ही प्रयोग होता है। चित्रकारी का ही एक रूप है रंगोली, पर इसमें किसी कूची या साधन का उपयोग नहीं होता। बस सधे हुए हाथों से रंगों को इस तरह फैलाना होता है कि एक सुंदर कलात्मक रचना तैयार हो जाए। राजस्थान में गीले चूने व हिरमच से जो मांडने बनाये जाते हैं। जिस तरह हर विषय में समाज में आधुनिकता आई है, नयापन आया है, उसी तरह इसका रूप भी थोड़ा आधुनिक होने लगा है। जैसे राजस्थान में परंपरागत मांडनों का स्थान स्टीकरों ने ले लिया है। महाराष्ट्र में विवाह के उपलक्ष्य में थाली के चारों ओर बनने वाली रंगोली का स्थान मोतियों की लड़ियों व झालरों ने ले लिया है।

# राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 'रन फॉर यूनिटी' मैराथन दौड़ संपन्न

**हरदा।** लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मंगलवार को हरदा जिले में ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर ''रन फॉर यूनिटी'' मैराथन दौड़ संपन्न हुई। मैराथन दौड़ को संयुक्त कलेक्टर सतीश राय व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति ने घंटाघर चौक से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मैराथन दौड़ घंटाघर चौक से प्रारंभ होकर चांडक चौराहा, टांक चौराहा, प्रताप टॉकीज चौक से होती हुई नेहरू स्टेडियम पर संपन्न हो गई।

## अधिकारी कर्मचारियों ने ली राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ

मैराथन के समापन अवसर पर स्टेडियम में संयुक्त कलेक्टर सतीश राय व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती राजेश्वरी महोबिया ने उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश पाटीदार, जिला शिक्षा अधिकारी डी. एस. रघुवंशी, शासकीय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता बिले, रक्षित निरीक्षक श्रीमति रजनी गुर्जर, खेल विभाग की ब्लॉक समन्वयक सलमा खान, व्यायाम शिक्षक रामनिवास जाट, एवं समस्त विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

# बिजली कंपनी के 15 पोल तोड़ने के आरोप में 3 आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

**हरदा।** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के हरदा वृत्त के मसनगांव वितरण केन्द्र अंतर्गत गैरकानूनी रूप से बिजली लाइन के 15 पोल तोड़ने पर तीन आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करायी गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मसनगांव वितरण केन्द्र के सहायक प्रबंधक प्रदीप कुमार डोले के आवेदन पर थाना छीपाबड द्वारा तेजराम विश्नोई, अनिल विश्नोई एवं अमित विश्नोई के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 324 (5), म.प्र. सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 1994 की धारा 3, विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 139 एवं 140 के अंतर्गत अपराध पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। गौरतलब है कि कंपनी मसनगांव वितरण केन्द्र के सहायक प्रबंधक प्रदीप कुमार डोले ने बताया की मसनगांव केंद्र के 33/11 केवी उप केन्द्र जामली से निकलने वाली नवीन 11 केवी घरेलू लाइन का कार्य किया गया था। जिसमें 27 अक्टूबर 2024 को रात्रि में लगभग 1 बजे सदाशिव पिता कृष्ण बिश्नोई ग्राम बड़नगर के खेत में 8 पोल एवं पवन पिता मुकेश बिश्नोई ग्राम बड़नगर के खेत में 7 पोल, इस तरह से कुल 15 पोल तोड़े गए हैं। इसमें तेजराम पिता जगन्नाथ बिश्नोई निवासी ग्राम बडनगर, अनिल पिता श्रीकृष्ण बिश्नोई निवासी ग्राम हरपालिया तथा अमित पिता श्रीअमृतलाल बिश्नोई ग्राम खमलाय एवं उनके साथियों के खिलाफ पोल तोड़ने के आरोप में नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि उक्त घटना में 15 पोल टूटने के कारण विद्युत अधोसंरचना एवं कंपनी को हुई 2 लाख रूपये की आर्थिक क्षति के चलते आरोपियों पर कार्यवाही की गई है। घटना के संबंध में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि कोई भी इस तरह से कंपनी के खिलाफ गैरकानूनी काम न करें।

# मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर आयोजित होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

**हरदा।** मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों में कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसी क्रम में हरदा जिले में 2 नवम्बर को पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभाकक्ष में शाम 5 बजे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण भी उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में कलेक्टर आदित्य सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस कार्यक्रम को गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित किया जाए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, एसडीएम हरदा कुमार शानु देवड़िया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश पाटीदार, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रवीण इवने सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

# मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत किसानों को द्वितीय किश्त वितरित की

**हरदा।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगवार को मंदसौर से मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की वर्ष 2024-25 की द्वितीय किश्त की राशि हितग्राहियों के खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से ट्रांसफर की। हरदा में जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। इस दौरान मंदसौर में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा गया। इसके अलावा तहसील व पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर संजीव कुमार नागू सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री

किसान कल्याण योजना के तहत जिले के 58401 किसानों को 2024-25 की द्वितीय किश्त का भुगतान सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया। इनमें टिमरनी तहसील के 9299, हंडिया तहसील के 7770, हरदा तहसील के 10318, रहटगांव तहसील के 11460, खिरकिया तहसील के 9738 तथा सिराली तहसील के 9816 किसान शामिल है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत हितग्राहियों को एक वर्ष में कुल 6 हजार रूपये तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है।

## जिला मूल्यांकन समिति की बैठक सम्पन्न

# अचल सम्पत्ति की अनंतिम दरों के संबंध में सुझाव 4 नवम्बर तक एसडीएम कार्यालय में प्रस्तुत करें

**हरदा।** वर्ष 2024-25 के लिये अचल सम्पत्ति के बाजार मूल्य की गाइड लाइन में मध्यावधि संक्षिप्त पुनरीक्षण कर अनंतिम मूल्य प्रस्ताव निर्धारण करने के संबंध में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक मंगलवार को कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति द्वारा उप जिला मूल्यांकन समिति द्वारा प्रस्तावित पुनरीक्षित अनंतिम दरों को अनुमोदित किया गया। जिला पंजीयक हरदा दिनेश कौशले ने बताया कि इन अनंतिम दरों के संबंध में विस्तृत जानकारी हरदा, खिरकिया व टिमरनी के एसडीएम कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है। कोई व्यक्ति यदि इन अनंतिम दरों के संबंध में सुझाव प्रस्तुत करना चाहता है तो 4 नवम्बर को अपरान्ह 4 बजे तक हरदा, खिरकिया व टिमरनी के एसडीएम के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि व समय के बाद प्राप्त सुझावों पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक लोमेश कुमार गौर द्वारा दिशागोचार प्रकाशन, 26-बी प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल से मुद्रित तथा सी-5 खेतवाली माता मंदिर के पास महाराणा प्रताप कालोनी हरदा जिला हरदा म.प्र. से प्रकाशित
संपादकः- लोमेश कुमार गौर मो. 9826696230 Email-bhuanakimati@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा कोर्ट रहेगा)।